शुक्रवार
09 अगस्त 2024

पृष्ठ 4
वेट लॉस और फैट लॉस में अंतर...

पृष्ठ 5
ब्लैक साड़ी में बला की खूबसूरत...

● देहरादून
● वर्ष 32
● अंक 184
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com

आज का विचार

विद्या कामधेनु के समान है। व्यक्ति विद्या हासिल कर उसका फल कहीं भी प्राप्त कर सकता है।
– चाणक्य

केदारनाथ हेली यात्रा में खराब मौसम डाल रही है बाधा

❑कल सिर्फ 50 और आज 30 लोग ही पहुंच सके धाम
❑सड़क व पैदल मार्गों को सुधारने में 15 दिन लगेंगे

विशेष संवाददाता

देहरादून। मानसूनी आपदा के कारण बाधित हुई केदार धाम यात्रा को पुन संचालित करने के लिए युद्ध स्तर पर प्रयास किये जा रहे हैं। लेकिन सड़कों, पुलों और पैदल मार्गों की स्थिति को सुधारने में अभी कम से कम दो सप्ताह का समय लग सकता है। वही दो दिन पहले शुरू की गई हेली सेवा भी खराब मौसम के कारण सुचारू रूप से संचालित नहीं हो रही है।

उल्लेखनीय है कि 31 जुलाई को भारी बारिश के कारण सोनप्रयाग से लेकर केदार घाटी तक सड़कों और पैदल मार्गों को भारी नुकसान पहुंचा था। दो पुलों के बहने तथा 18 पुलों के क्षतिग्रस्त होने से यात्रा को बंद करना पड़ा था। सड़क मार्गों व पैदल रास्तों को दुरुस्त करने के लिए 200 करोड़ खर्च का अनुमान लगाया गया है। सोनप्रयाग से गौरीकुंड के बीच 200 मीटर सड़क के पूरी तरह बह जाने के कारण इसका निर्माण कार्य अत्यंत मुश्किल हो रहा है वहीं पुलों के निर्माण के बिना यात्रा को संचालित कर पाना संभव नहीं है ऐसी स्थिति में अब सोन प्रयाग से केदारनाथ तक पैदल यात्रा ही किया जाना संभव हो सकता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हालात का जायजा लेने के बाद दो दिन पूर्व हेली सेवा के जरिए यात्रा को जारी रखने का ऐलान किया था तथा हेली के किराए भी 25 फीसदी कम कर दिए गए थे। बीते दो दिनों से हेली सेवा शुरू की गई है। लेकिन खराब मौसम उसमें भी बाधक बना हुआ है। बीते कल हेली सेवा के जरिए 50 यात्री धाम पहुंचे तथा आज 30 यात्रियों ने दर्शन किए लेकिन खराब मौसम के कारण आज इसे रोकना पड़ा।

केदारनाथ मार्ग इस आपदा के कारण 29 स्थानों पर क्षतिग्रस्त है जिनमें से 10 स्थानों पर मरम्मत कार्य ही अब तक पूरा हो सका है। जिन स्थानों पर सड़क का बड़ा हिस्सा गायब हो गया है वहां से यात्रियों को ट्रॉली में भेजने के प्रयासों पर भी काम किया जा रहा है लेकिन अभी इस यात्रा मार्ग को आने जाने लायक बनाने में काफी समय यानी दो सप्ताह अनुमानित है। गौरीकुंड से सोनप्रयाग के बीच सबसे अधिक नुकसान सड़कों व पैदल मार्गों को हुआ है जिसे ठीक करने में 500 से अधिक का मैन पावर और मशीन लगी हुई है। उधर मौसम भी निर्माण व मरम्मत कार्य में बाधा बना हुआ है। केदारनाथ यात्रा दोबारा कब तक सुचारू रूप से संचालित हो पाएगी अभी इसके बारे में कुछ भी कह पाना मुश्किल है।

अन्तर्राज्यीय चोर गिरोह के चार सदस्य दून में गिरफ्तार

❑कार शोरूमों में दो अलग-अलग घटनाओं को दिया था अंजाम

हमारे संवाददाता

देहरादून। कार शोरूमों में हुई अलग-अलग घटनाओं को खुलासा करते हुए पुलिस ने मध्य प्रदेश के अंतर्राज्जीय चोर गिरोह के चार सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। गिरोह का मुखिया पटेलनगर क्षेत्र में पहले भी दो शोरूमों में चोरी की घटनाओं को अंजाम दे चुका है जिसकी कचहरी में तारीख के दौरान उसने नेहरूकालोनी थाना क्षेत्र में अन्य शोरूमों को चिन्हित कर उसमें अपने साथियों सहित चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। आरोपियों के कब्जे से घटना में चोरी की गई नकदी, लैपटॉप व अन्य सामान बरामद किया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 7 अगस्त को तरसेम लाल राणा, मैनेजर डीपीएम हुंडई शोरूम, हरिद्वार बाई पास रोड व प्रमोद कुमार, मैनेजर मारुती नेक्सा शोरूम हरिद्वार बाईपास रोड, देहरादून द्वारा थाना नेहरूकालोनी में तहरीर देकर बताया गया कि रात्री में उनके शोरूमों में अज्ञात लोगों द्वारा ताला तोड़कर चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया गया है। मामले में पुलिस ने तत्काल मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी गयी। चोरों की तलाश में जुटी पुलिस टीम को बीती रात सूचना मिली कि उक्त चोरियों में शामिल

बदमाश फिर से देहरादून आये है, जो सम्भवत: किसी अन्य घटना को अजांम दे सकते हैं, जिस पर पुलिस टीम द्वारा बताये गये स्थान जोगीवाला क्षेत्र में दबिश देकर घटना में ▶▶ शेष पृष्ठ 7 पर

सुप्रीम कोर्ट ने आबकारी नीति घोटाले में मनीष सिसोदिया को दी जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली आबकारी नीति कथित घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग मामलों में शुक्रवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता मनीष सिसोदिया की जमानत दे दी। न्यायमूर्ति बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति के.वी. विश्वनाथन की पीठ ने इस मामले में फैसला सुनाया। इससे पहले अदालत ने 6 अगस्त को सिसोदिया की याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। मनीष सिसोदिया को रद्द की जा चुकी दिल्ली आबकारी नीति 2021-22 के निर्माण व कार्यान्वयन में कथित अनियमितताओं में संलिप्तता के लिए 26 फरवरी, 2023 को सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने जमानत का अनुरोध करते हुए तर्क दिया था कि वह 17 महीने से हिरासत में हैं और उनके खिलाफ मुकदमे की सुनवाई अभी तक शुरू नहीं हुई है। ईडी और सीबीआई ने उनकी जमानत याचिका का विरोध किया था। प्रवर्तन निदेशालय ने न्यायालय के समक्ष दावा किया कि एजेंसी के पास ऐसे दस्तावेज हैं, जो कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले में सिसोदिया की गहरी संलिप्तता का प्रमाण देते हैं।

दिल्ली से आईएसआईएस का मोस्ट वॉन्टेड आतंकी गिरफ्तार

नई दिल्ली। स्वतंत्रता दिवस 2024 से पहले दिल्ली पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल से जुड़े एक आतंकी को गिरफ्तार किया है जिसके पास हथियार भी मिले। पुणे आईएसआईएस मॉड्यूल मामले में वांछित रिजवान अली को गिरफ्तार किया है। दिल्ली के दरियागंज के रहने वाले रिजवान के सिर पर राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के लिए 3 लाख रुपये का इनाम घोषित किया था।

पुलिस के मुताबिक अली आईएसआईएस के पुणे मॉड्यूल का हिस्सा था और फरार था, स्वतंत्रता दिवस से पहले राजधानी में उसकी मौजूदगी की जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस

की स्पेशल सेल ने कहा, रिजवान दिल्ली के दरियागंज का रहने वाला है। एनआईए ने आतंकी संबंधों वाले अन्य फरार वांछित लोगों के साथ रिजवान अली की तस्वीर भी जारी की थी। इससे पहले, दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी थी और विभिन्न आतंकवादियों के पोस्टर लगाए थे। पुलिस ने शहर भर में पोस्टर लगाए हैं और उन्होंने लोगों को आतंकवादियों को पकड़ने में सहायता करने के लिए प्रोत्साहित किया है। दिल्ली पुलिस ने कहा कि आतंकवादियों के बारे में कोई भी जानकारी देने वालों को उचित इनाम दिया जाएगा। हालांकि, मुखबिरों के नाम छिपाए जाएंगे।

पुलिस ने कहा कि लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने और पुलिस को आतंकवादियों को पकड़ने में मदद करने के लिए सुरक्षा उपाय किए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, पोस्टरों में पंद्रह आतंकवादियों का जिक्र है अल-कायदा से जुड़े हैं देश की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए, स्वतंत्रता दिवस से पहले, पंजाब पुलिस ने भी इस सप्ताह की शुरुआत में राज्य भर के सभी बस अड्डों पर जगह-जगह तलाशी लेकर सुरक्षा के कड़े कदम उठाए हैं।

दून वैली मेल

संपादकीय

जवाबदेय सरकार जरूरी

संसद के पहले ही सत्र में सरकार को इस बात का एहसास हो चुका है कि अब वह अपनी मनमर्जी नहीं कर सकती है उसके हर फैसले पर विपक्ष तीखे सवाल उठयेगा और सरकार को हर सवाल का जवाब देना ही पड़ेगा। जवाब संतोषजनक नहीं होगा तो सरकार की किरकिरी होगी। 10 साल तक जिस तानाशाही के डंडे से देश को हांका जाता रहा है वह अब संभव नहीं होगा। एक स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र के लिए जवाबदेय सरकार का होना जरूरी है। मगर वर्तमान एनडीए सरकार को यह कतई भी रास नहीं आ रहा है, पीएम मोदी और उनके मंत्रियों को विपक्ष की मौजूदगी इस कदर खल रही है कि वह विपक्ष पर अपना गला घोटने का आरोप लगाये जा रहे हैं। यही नहीं सत्ता पक्ष द्वारा सवालों का सटीक जवाब देने के बजाय अभी भी गलत तरीके और झूठे तथ्यों के जरिए स्वयं को सही साबित करने के जो प्रयास किये जा रहे हैं वह सत्ता पक्ष की मुसीबत को लगातार बढ़ा रहे हैं। सरकार द्वारा वक्फ संशोधन एक्ट 2024 के रूप में अपना पहला बिल पेश किया गया जिसे भारी विरोध के बीच जेपीसी को सौंपना पड़ा। संसद में जब इस एक्ट पर चर्चा की जा रही है उस समय आप सांसद संजय सिंह ने सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सरकार की उसे हेयरकट योजना पर तीखा प्रहार किया गया जिसमें सरकार ने उद्यमियों को राहत देने के नाम पर 43 कंपनियों का 5 लाख 44 हजार करोड़ के ऋण में से 3 लाख 53 हजार करोड़ का ऋण माफ किया गया है। खास बात यह है कि यह बड़ा ऋण उन कंपनियों का माफ किया गया जिन्होंने सरकार या भाजपा को चुनावी बांड के जरिए पैसा दिया गया। जिन कंपनियों पर कर्ज का बोझ कम करने के नाम पर इतनी बड़ी धनराशि माफ की गई वह पैसा सरकार का नहीं जनता का पैसा था। सरकार किसानों का कर्ज माफ नहीं करती है छोटे व्यापारियों को कोई राहत नहीं देती है युवाओं को कोई राहत नहीं देती है वह चंद कंपनियों को राहत देने के नाम पर इतनी बड़ी धनराशि खर्च कर देती है इससे किसानों का पांच बार कर्ज माफ किया जा सकता था शिक्षा या स्वास्थ्य सेवाओं की हालत में सुधार संभव था। संसद में भ्रष्टाचार, महंगाई और किसानों तथा बेरोजगारी के मुद्दों की बजाय धन्ना सेठों की सरकार द्वारा जो मदद की जा रही है उसकी अब सारी परतें एक-एक कर खुल रही है। सरकार की नीतियों व नीयत को लेकर जो सवाल आज विपक्ष उठा रहा है उसका कोई जवाब सत्ता में बैठे लोगों के पास नहीं है। 10 सालों में सरकार ने किसके लिए क्या किया किसको कितना दिया और इसके साथ ही किस किससे कितना लिया उसका हिसाब किया जा रहा है। जो सत्ता पक्ष के लिए बड़ी परेशानी का सबक बन चुका है। जितना छाना जा रहा है उतनी किरकिरी हो रही है। स्वास्थ्य बीमा पर सरकार 18 फीसदी जीएसटी वसूल कर रही है जिसका विरोध विपक्ष ही नहीं सरकार के मंत्री तक कर रहे हैं अब भाजपा सरकार के 10 साल का ढोल फट चुका है। यही कारण है कि हर रोज सरकार पतन की ओर अग्रसर है और यह सवाल आम हो गया है कि सरकार ऐसे कितने समय तक टिकी रह पाएगी। संसद से लेकर कोर्ट तक हर जगह सरकार की फजीहत हो रही है। 10 सालों में आम आदमी की जिंदगी पर जो प्रभाव पड़ा है उसके परिणाम अब सामने आने लगे हैं और सरकार को इससे बाहर निकलने का कोई रास्ता नहीं मिल पा रहा है। जो देश में बड़े परिवर्तन का संकेत दे रहा है।

टाटा स्काई का कर्मचारी बनकर ठगे ढाई लाख रुपये

संवाददाता

देहरादून। टाटा स्काई का कर्मचारी बनकर ढाई लाख रूपये की ठगी करने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ईस्ट पटेलनगर निवासी रीटा निन्द्रा ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपने केबल टीवी टाटा स्काई का रिचार्ज अपने बैंक ऑफ बड़ौदा की मोबाईल ऐप्लिकेशन बीओबी वर्ड के द्वारा 558 रूपये का करवाया था परन्तु उसके पास कोई मैसेज नहीं आया तो उसने टाटा स्काई के एक टोल-फ्री जो उसको गूगल से प्राप्त हुआ था को कॉल किया और अपनी समस्या बताई तो उसको बोला गया कि उसके पैसे उसके खाते में वापस आ जायेगें, उसके बाद उसको उनके सीनियर से बात करने को बोला गया। टाटा स्काई के सीनियर से बात करने पर उसके द्वारा उसको एक एप्प को डाउनलोड करने को कहा गया और उसके द्वारा उनकी बातों पर विश्वास करते हुए उनके द्वारा दिये गये दिशा निर्देशों का पालन करने लगी। इसके बाद उन्होंने उसको टाटा स्काई के एक अन्य मोबाईल नम्बर पर बात करने को कहा। उसके द्वारा मोबाईल नम्बर पर बात करने पर अज्ञात द्वारा स्वयं का परिचय देते हुए अपने आप को टाटा स्काई कम्पनी का कर्मचारी बताया। उसके कहे अनुसार निर्देशों का पालन करने पर उसको अपने मोबाईल पर पैसा कटने के मैसेज आने लगे। उसने अपना बैंक ऑफ बड़ौदा का खाता चैक किया तो उसके खाते से कुल 2 लाख 44 हजार 761 रूपये की साईबर ठगी की गई है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अगस्त क्रांति की 82वीं वर्षगांठ पर विचार गोष्ठी का आयोजन

संवाददाता

देहरादून। अगस्त क्रांति की 82वीं वर्षगांठ पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।

आज यहां अगस्त क्रांति की 82वीं वर्षगांठ पर स्वतंत्रता सेनानी एवं उत्तराधिकारी कल्याण समिति के द्वारा परेड ग्राउंड स्थित एक रेस्टोरेंट मे विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में वक्ताओ ने कहा कि देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियो के आदर्शो के अनुरूप राष्ट्र की संप्रभुता,एकता और अखंडता की रक्षा करना हमारा संवैधानिक कर्तव्य है। इन्ही दायित्वो में पारस्परिक सौहार्द,भाईचारे की भावना को सुदृढ बनाने मे स्वतंत्रता सेनानियो के वंशजो को अपनी नैतिक जिम्मदारी उठानी चाहिए। व्यवस्थाओ मे आमजन की भावनाओ के अनुरूप अब 'भारत छोड़ो आंदोलन की तर्ज पर भ्रष्टाचार देश छोड़ो'आंदोलन का भी आगाज सेनानियो के वंशजो को करना होगा। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि वरिष्ठ आंदोलनकारी,स्वतंत्रता सेनानी वंशज,पर्यावरण संरक्षण के लिए अपनी बुलन्द लेखनी के जरिए लगातार आवाज उठाने वाले वयोवृद्ध विरेन्द्र कुमार पैन्यूली को शाल उड़ाकर सम्मानित भी किया गया। वक्ताओ ने कहा प्राकृतिक पर्यावरण जिसमे जल-जंगल-जमीन वन्यजीव शामिल है यदि उत्तराखंड में पर्यावरण प्रेमी इसके संरक्षण के लिए अपनी आवाज उठा रहे हैं तो यह उनके संवैधानिक कर्तव्य ही है।वक्ताओ ने कट्टरवादी आतंकियो द्वारा बांग्लादेश के महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी तथा पूर्व राष्ट्रपति शेख मुजीबुर रहमान की प्रतिमा तोड़े जाने तथा भारतीय नागरिकों के विरुद्ध किए जा रहे अमानवीय दुष्कृत्यो की भर्त्सना करते हुए प्रधानमंत्री मोदी से मांग की कि निर्वासित राष्ट्रपति शेख हसीना को उनकी इच्छाओं के अनुरूप भारत में ही स्थाई आश्रय प्रदान किया जाए। कार्यक्रम के अन्त मे देश की आजादी के लिए शहीद हुए योद्धाओ को दो मिनट मौन रखकर श्रद्धासुमन अर्पित किये।

इस अवसर पर सचिन शास्त्री, उषा कोठारी, जगमोहन मैदिरतता,आर एस कैंथुरा,डा. एसके गोविल,कल्पना बहुगुणा, मुनिरामसकलानी, सत्यप्रकाश कोठारी, ब्रिगेडियर केजीबहल, सुशील त्यागी, अवध `श शर्मा, बिशमभरनाथ बजाज, सत्यप्रकाश चौहान, जीएस जस्सल, सत्यप्रकाश डिमरी, कल्पना बहुगुणा, मुकेशनारायण शर्मा, नेत्रपालसिहं, दिनेश भण्डारी आदि शामिल थे।

स्मैक के साथ गिरफ्तार

देहरादून (सं)। पुलिस ने स्मैक के साथ एक को गिरफ्तार कर उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर थाना पुलिस ने सीक्यूएआई तिराहे के पास एक व्यक्ति को सदिग्ध अवस्था में घुमते हुए देखा तो उसको रूकने का इशारा किया। पुलिस को देख वह भाग खडा हुआ। पुलिस ने पीछा कर उसको थोडी दूरी पर ही दबोच लिया। तलाशी लेने पर पुलिस ने उसके कब्जे से 52 ग्राम स्मैक बरामद कर ली। पूछताछ में उसने अपना नाम दिलशाद पुत्र यूनिस निवासी जसपुर बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

संघर्ष समिति व परिषद ने पेरिस के पदक विजेताओं का दी बधाई

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति न उत्तराखण्ड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद ने पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने वालों को बधाई दी। आज यहां सामाजिक संस्कृति संस्था नेताजी संघर्ष समिति और उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के कार्यकर्ताओं ने पेरिस ओलंपिक खेलों में भारतीय खिलाड़ियों द्वारा पदक जीतने पर उन्हें बहुत-बहुत बधाई दी है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक में पदक जीतने से भारत का नाम विश्व में ऊंचा हुआ है। उन्होंने कहा कि अगले ओलंपिक में भारतीय खिलाड़ी इससे भी अधिक पदक जीतेंगे ऐसी आशा उन्होंने प्रकट की है खिलाड़ियों को बधाई देने वालों में उत्तराखंड आंदोलनकारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष सुरेश कुमार, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, नवनीत गोसाई, सुशील विरमानी, आरिफ वारसी, पंकज नेगी, धर्मानंद भट्ट, अनुराग भट्ट आदि थे।

फर्जी दस्तावेजों से नौकरी पाने वाले तीन लोगों पर मुकदमा दर्ज

संवाददाता

देहरादून। फर्जी दस्तावेजों के सहारे सिडकुल में नौकरी पाने वाले तीन लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार सिडकुल के प्रबंधक करन सिंह नेगी ने राजपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि 2016 में, सिडकुल ने सहायक महाप्रबंधक सहित विभिन्न पदों के लिए एक खुली भर्ती सूचना जारी की। सुश्री राखी पुत्री स्व. संसार सिंह निवासी-एच. 3 सी ब्लोक, कालोनी रानीपुर, हरिद्वार ने इस पद के लिए आवेदन किया और 10वीं, 12वीं, बीएससी और एमबीए (एचआर) जैसी अपनी शैक्षणिक योग्यता का प्रमाण प्रस्तुत किया। भूमिका के लिए आवश्यक न्यूनतम 8 (आठ) वर्षों के अनुभव के प्रमाण के रूप में, सुश्री राखी ने 2 जुलाई, 2002 से सहायक प्रशासन प्रबंधक के पद पर काम करने के संबंध में इंजीनियरिंग कॉलेज रुड़की (सीओईआर) से जारी एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया। सुश्री राखी ने 2007 से 2014 तक सिडकुल के साथ काम करने के अपने अनुभव का प्रमाण भी प्रस्तुत किया। एक साल की परिवीक्षा अवधि के बाद, सुश्री राखी को सिडकुल के अनुसार 16 जून, 2017 से एक नियमित कर्मचारी के रूप में पुष्टि की गई। हालांकि कॉलेज आफ इंजीनियरिंग, रुड़की (सीओईआर) द्वारा जारी सुश्री राखी के अनुभव प्रमाण पत्र की वास्तविकता के संबंध में मुद्दे उठे, जो मूल रूप से 2004 में जारी किया गया था। उक्त दस्तावेज की एसआईटी द्वारा जांच की गयी तो पता चला कि सुश्री राखी की नियुक्ति 08 अप्रैल 2016 में जमा किये गये दस्तावेज जाली पाया गया है। इस सम्बंध में सीओईआर द्वारा अवगत कराया गया कि उक्त अभ्यर्थी ने कभी भी इस संस्थान में कार्य नहीं किया है तथा प्रस्तुत प्रमाण पत्र जाली है। ड्राईवर पद हेतु चयनित हुए अमित खतरी पुत्र स्व. वीरेन्द्र सिंह खतरी निवासी इंदिरा भवन मसूरी देहरादून द्वारा अपने शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र में स्वयं को गुरुकुल विश्व विद्यालय वृंदावन मथुरा जो कि आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा संचालित दर्शित है से वर्ष 2006 में कक्षा 10वीं द्वितीय श्रेणी से उत्तीर्ण करना दर्शित है तथा जिसका परीक्षा केन्द्र भगवती देवी सीनियर सेकेंडरी स्कूल अमित विहार कुकरा मुजफ्फरनगर। जबकि इस सम्बन्धित बोर्ड गुरुकुल विश्व विद्यालय वृंदावन, मथुरा से पत्राचार किए जाने पर इसे फर्जी बताया गया है। ड्राईवर पद हेतु चयनित विकास कुमार पुत्र सुरेन्द्र लाल निवासी लोवर नेहरूग्राम पोस्ट आईआईपी मोहकमपुर देहरादून द्वारा अपने अपने शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र में स्वंय को गुरूकुल विश्वविद्यालय वृदावन मथुरा जो कि उपरोक्त संस्था आर्य प्रतिनिधि सभा उत्तर प्रदेश लखनऊ द्वारा संचालित दर्शित है, वर्ष 2007 में कक्षा 10 वीं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करना दर्शित है तथा जिसका परीक्षा केन्द्र बड़ोवाला देहरादून। जबकि इस सम्बन्ध में सम्बन्धित बोर्ड विश्वविद्यालय वृदावन मथुरा से जाँच किए जाने पर इससे सम्बन्धित अभिलेख संख्या में न होना बताया गया है। पुलिस ने तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

अखिल भारतीय आंगनबाडी कर्मचारी संगठन ने केन्द्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन

संवाददाता

देहरादून। अखिल भारतीय आंगनबाडी कर्मचारी संगठन ने केन्द्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी को ज्ञापन सौंप अपनी समस्याये बतायी।

आज अखिल भारतीय आंगनबाड़ी कर्मचारी संगठन के तत्वाधान में श्रीमती सुशीला खत्री राष्ट्रीय अध्यक्षता के नेतृत्व में केंद्रीय मंत्री अन्नपूर्णा देवी से उनके आवास (नई दिल्ली) में मुलाकात की। सर्वप्रथम सभी प्रदेश से आए हुए प्रदेश अध्यक्षों ने मंत्री को महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री बनाए जाने पर उनको शुभकामनाएं एवं बधाई दी साथ ही मंत्री को को अपना ज्ञापन सौंपा, जिन जिन राज्यों में मिनी आंगनवाड़ी का उच्चीकरण की अनुमति भारत सरकार से दी गई थी, उसका आभार व्यक्त किया गया। मंत्री को बताया गया की 6 वर्षों से केंद्र सरकार ने मानदेय वृद्धि नहीं की है। साथ ही श्रम कानून के तहत मिलने वाले लाभ जैसे ग्रेविटी पेंशन भविष्य निधि और स्वास्थ्य सुविधा का लाभ भी आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को नहीं दिया जा रहा है। प्रदेश स्तर पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को अपनी छोटी-छोटी समस्याओं के लिए संघर्ष करना पड़ता है। मंत्री को बताया गया कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और सहायिका मानदेय कर्मचारी नहीं बल्कि वह सरकार के कर्मचारी हैं। सुप्रीम कोर्ट ने 25 अप्रैल 2022 के फैसले के तहत आंगनबाड़ी और सहायिका को ग्रेविटी भुगतान अधिनियम के प्रावधान के अनुसार ग्रेच्युटी पाने का हकदार बताया है लेकिन 2 वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी राज्यो की सरकारो ने उसे किसी राज्य में लागू नहीं किया है, जो कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले की और अवमानना है, साथ ही मंत्री से अनुरोध किया गया की रिटायरमेंट पर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को कम से कम 10 लाख रुपए रिटायरमेंट धनराशि दिए जाने पर विचार किया जाए, ताकि रिटायरमेंट के बाद वे अपना जीवन यापन आराम से कर सके। इसलिए राष्ट्रीय कार्यकारिणी के समस्त सदस्यों ने महिला एवं बाल विकास मंत्री से एवं भारत सरकार से अनुरोध किया है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए हुए आदेशों को पूरा करने की कृपा करें। इसके बाद राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने उत्तर प्रदेश के सांसद जगदंबिका पाल से भी मुलाकात की, और उनको भी अपना ज्ञापन सोपा। मुलाकात करने वाले में सुशीला खत्री (उत्तराखंड), सुभद्रा ठाकुर (हिमाचल प्रदेश), संध्या रानी (महाराष्ट्र), गीता देवी (बिहार,) चंपा बेन (गुजरात), निधि शर्मा (मध्य प्रदेश,) अशोक कुमार (झारखंड), आदि राज्य उपस्थित रहे।

अतिथि शिक्षकों का धरना जारी

संवाददाता

देहरादून। शिक्षा निदेशालय में धरना दे रहे अतिथि शिक्षकों का धरना सातवें दिन भी जारी रहा है। अपनी मांगों को लेकर ननूरखेडा स्थित शिक्षा निदेशालय में धरना दे रहे अतिथि शिक्षक सातवें दिन भी धरना स्थल पर डटे रहे। इस अवसर पर शिक्षकों का कहना है कि करीब डेढ साल से कुमाऊं और गढवाल में अतिथि शिक्षकों को नौकरी से बाहर कर दिया गया था। जिन्हें वापस नौकरी पर नहीं रखा गया। शिक्षकों का कहना है कि उन्हें 40 हजार से कम वेतन किसी सूरत में स्वीकार नहीं है। इसके साथ ही अतिथि शिक्षक मांग कर रहे हैं कि उनके पदों को रिक्त ना माना जाये और उनके पदों को सुरक्षित किए जाने की भी मांग की जा रही है। धरना स्थल पर विक्रम रावत, ललित बिष्ट, आशीष जोशी, विजय पोखरियाल, अंजलि सिंह, विक्की रावत, दौलत जगूडी, शिखा रावत आदि लोग मौजूद रहे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व माइग्रेशन एड एसाइलम प्रोजेक्ट ने किया पौधारोपण

संवाददाता

देहरादून। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण व माइग्रेशन एड एसाइलम प्रोजेक्ट ने संयुक्त रूप से पौधारोपण किया। आज यहां जिला विधिक सेवा प्राधिकरण देहरादून एवं माइग्रेशन एड एसाइलम प्रोजेक्ट दिल्ली के संयुक्त तत्वाधान में स्थानीय फरगर जूनियर हाई स्कूल राजपुर रोड में एक वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माइग्रेशन ऐड एसाइलम प्रोजेक्ट दिल्ली की प्रोजेक्ट डायरेक्टर सुश्री अपरर्मिता प्रताप थी। सुश्री अपरर्मिता ने आम का पौधा लगाकर वृक्षारोपण की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि आज देहरादून में हरेला के तहत वृक्षारोपण कर मुझे अति खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि देहरादून में आज किया गया वृक्षारोपण मेरे को अपने जीवन पर्यंत याद रहेगा तथा यह वृक्षारोपण पर्यावरण संरक्षण के लिए मेरा छोटा सा योगदान है आज के बाद में भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण हेतु वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित करती रहूंगी। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के प्राविधिक कार्यकर्ता उमेश्वर सिंह रावत ने जामुन का पौधा लगाया उन्होंने कहा कि इस हरेला के तहत यह हमारा दसवां वृक्षारोपण कार्यक्रम है। प्राविधिक कार्यकर्ता नाजमा प्रवीण ने कहां की हम लोग भविष्य में भी इस तरह के कार्यक्रम आयोजित करते रहेंगे। विद्यालय की प्रधानाध्यापिका श्रीमती सबीना दास ने तेजपत्ता का पौधा लगाया उन्होंने कहा कि हम जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के आभारी है जिन्होंने वृक्षारोपण के लिए हमारे विद्यालय को चुना। वृक्षारोपण के इस कार्यक्रम में कॉलेज की विद्यालय की शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

पुलिस लाइन गोपेश्वर में किया हरियाली तीज का आयोजन

हमारे संवाददाता

चमोली। पुलिस अधीक्षक चमोली सर्वेश पंवार के निर्देशन में बीते रोज पुलिस लाईन गोपेश्वर में पुलिस परिवार की महिलाओं व महिला कर्मियों द्वारा तीज त्यौहार का आयोजन किया गया। हरियाली तीज के उपलक्ष्य में तीज उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

सर्वप्रथम मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा हिमानी वैष्णव द्वारा दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना करते हुए महोत्सव का शुभारम्भ किया गया। इसके पश्चात पुलिस परिवार की महिलाओं/कर्मियों की डांस प्रतियोगिता, मेहन्दी प्रतियोगिता, ग्रुप डांस, गायन, रैंप वॉक आदि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें सभी प्रतियोगियों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में बढ-चढ़कर उत्साह के साथ प्रतिभाग किया गया। कार्यक्रम के दौरान युवतियां और महिलाएं रंग-बिरंगे परिधानों में नजर आई तथा डीजे पर लोकगीतों और फिल्मी धुनों पर प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर बच्चों व महिलाओं के मनोरंजन हेतु झूले की व्यवस्था भी की गयी थी। झूला झूलकर महिलाएं व बच्चे आनंदित हुए।

निर्णायक मण्डल द्वारा तीज क्वीन का खिताब मानसी रावत को दिया गया व प्रथम रनरअप नीलम नेगी, द्वितीय रनरअप दुर्गा देवी व तृतीय रनरअप काजल देवी को प्रदान किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित सभी महिलाओं को तीज पर्व की शुभकामनाएं देते हुए वर्तमान समय में प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं की अग्रणी भूमिका के बारे में बताया। इस दौरान पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष गोपेश्वर श्रीमती पुष्पा पासवान, अपर न्यायिक मजिस्ट्रेट छवि बंसल, न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती पल्लवी गुप्ता, सहायक अभियोजन अधिकारी खुशबू सिंह, सदस्य उपभोक्ता आयोग श्रीमती चन्द्रकला खण्डूरी व श्रीमती तनुश्री घिल्डियाल मौजूद रही।

यात्रा मार्ग शुरु करने के लिए युद्ध स्तर पर काम करे सरकार:धस्माना

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि प्रदेश सरकार से मांग करी की केदार घाटी की आपदा में जान माल के नुकसान का सही आंकड़ा सार्वजनिक करें और यात्रा मार्ग दोबारा शुरू करने के लिए युद्ध स्तर पर काम किया जाए।

आज यहां ईसी रोड कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि केदार घाटी में आई आपदा के सातवें दिन भी राज्य का आपदा प्रबंधन विभाग पूरी केदार घाटी में जान माल के नुकसान के ठीक आंकड़े सार्वजनिक नहीं कर रहा है। उन्होंने कहा कि बीते सप्ताह के बुधवार की रात्रि केदार घाटी में आई भीषण आपदा के बाद जिला प्रशासन व आपदा प्रबंधन विभाग सोनप्रयाग से लेकर केदार मंदिर तक नौ स्थानों पर भूस्खलन व रोड वाश आउट की बात कर रहे थे जबकि मैं स्वयं एक अगस्त को आपदा प्रभावित क्षेत्र में गया था और वहां की जानकारी के मुताबिक मैंने कहा था कि दो दर्जन से ज्यादा जगहों पर भूस्खलन है व सोनप्रयाग समेत रामबाड़ा लिनचोली बड़ी लिनचोली में ज्यादा नुकसान है। धस्माना ने कहा कि उसी दिन जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक से वार्ता कर फंसे हुए यात्रियों की संख्या दस हजार से ज्यादा होने के अनुमान के बारे में मैने कहा था किंतु शासन प्रशासन शुरू से नौ दस स्थानों पर भूस्खलन व पांच छ हजार लोगों के फंसे होने का दावा कर रहा था लेकिन आज आपदा के सातवें दिन स्वयं आपदा प्रबंधन विभाग २९ स्थानों पर मार्ग श्रीग्रस्त होने व ग्यारह हजार लोगों के रेस्क्यू किए जाने की बात कह रहा है। उन्होंने कहा कि असलियत यह है कि कांवड़ यात्रा वाले यात्रियों का प्रशासन ने कोई पंजीकरण किया ही नहीं और इसलिए शासन प्रशासन को फंसे हुए लोगों की सही संख्या पता ही नही थी इसलिए रोज अलग अलग आंकड़े जारी किए गए। धस्माना ने कहा कि आपदा पर किसी का नियंत्रण नहीं है किंतु आपदा से निपटने की तैयारी और राहत व बचाव कार्यों की तैयारी जिस स्तर पर होनी चाहिए वह नदारद थी और अधि कांश फंसे हुए लोगों को पैदल निकाला गया। धस्माना ने प्रदेश सरकार से मांग करी की केदार घाटी की आपदा में जान माल के नुकसान का सही आंकड़ा सार्वजनिक करें और यात्रा मार्ग दोबारा शुरू करने के लिए युद्ध स्तर पर काम किया जाए।

श्रीमती सुधा शुक्ला के निधन पर धस्माना ने दी श्रद्धांजलि

देहरादून। कांग्रेस की वरिष्ठ नेत्री व पूर्व दर्जाधारी राज्यमंत्री श्रीमति सुधा शुक्ला के निधन पर कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने श्रद्धांजलि अर्पित की। आज यहां उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी की वरिष्ठ नेत्री व पूर्व दर्जाधारी राज्यमंत्री वरिष्ठ नागरिक कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष रही श्रीमति सुधा शुक्ला का लंबी बीमारी के बाद महंत इंद्रेश अस्पताल में इलाज के दौरान देहांत हो गया। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने दिवंगत श्रीमति शुक्ला को श्रद्धांजलि अर्पित की।

संकटमोचक बनी फायर यूनिट हरिद्वार, पूरे घर को जलने से बचाया

संवाददाता

रूडकी। मकान के अन्दर स्टोर में लगी आग पर फायर सर्विस ने तत्काल सूझबूझ का परिचय देते हुए आग पर काबू पाया और पूरे घर को जलने से बचाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रात: काल समय 4:38 पर प्राप्त सूचना के आधार पर फायर यूनिट रुड़की तत्काल घटनास्थल अरोड़ा कॉलोनी गली नंबर 4 सोनालीपुरम थाना सिविल लाइन पहुंचे तत्काल हाई प्रेशर वाहन से होजरील फैलाकर पंपिंग कर घर के अन्दर बनाये गये स्टोर में समरसेबल स्टार्टर में शॉर्ट सर्किट होने के कारण में भयंकर आग लगी थी। अत्यधिक जहरीला धुआं भरा होने व अत्यधिक अंधेरे के कारण घर के अन्दर प्रवेश करना काफी मुश्किल

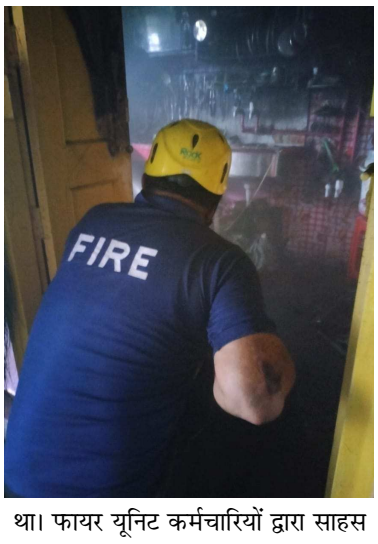

था। फायर यूनिट कर्मचारियों द्वारा साहस का परिचय देकर उक्त आग को कड़ी मेहनत से तुरंत काबू में कर लिया एवं आग को फैलने से भी रोका। यदि आग फैल जाती तो पूरे घर को चपेट में ले लेती फायर सर्विस (हरिद्वार पुलिस)की तत्काल एवं सतर्कता पूर्ण कार्रवाई से उक्त घर को जलने से बचा लिया गया एवं घर में रखा लाखों का सामान भी जलने से बचा लिया गया। उक्त मकान श्रीमती अपर्णा तोमर पत्नी स्वर्गीय अनुज तोमर का होना बताया उक्त मकान में किराएदार के रूप में रह रहे शुभम शुक्ला पुत्र ऋषि शुक्ला स्वयं अपनी माता एवं बहन सहित मौजूद थे परिवार के 03 सदस्यों को भी जलने से बचा लिया गया। आग से उक्त स्टोर में रखें कंडम सामान गते आदि जल गए हैं अन्य कोई जनहानि नहीं हुई है। परिजनों एवं मौके पर मौजूद सम्मानित व्यक्तियों ने फायर सर्विस हरिद्वार पुलिस के रिस्पांस टाइम तत्काल एवं जोखिमपूर्ण कार्रवाई की खुले मन से प्रशंसा भी की है।

आपकी ये गलतियां बाथरूम के पाइप को पहुंचा सकती हैं नुकसान

अगर बाथरूम का पाइप ब्लॉक हो जाए तो इसकी वजह से काफी परेशानी होने लगती है। हालांकि क्या आप जानते हैं कि इसके ब्लॉक होने के पीछे आपकी ही कुछ गलतियां हो सकती हैं। दरअसल, कई बार लोग बाथरूम की साफ-सफाई के दौरान कुछ ऐसी चीजें कर देते हैं जिसका खामियाजा बाद में पाइप को भुगतना पड़ता है। आइए आज ऐसी ही कुछ गलतियों के बारे में जानते हैं जो आपके बाथरूम के पाइप को खराब कर सकती हैं।

कई लोगों की आदत होती है कि वे शैंपू के पाउच जैसी चीजों को बाथरूम के फर्श पर छोड़ देते हैं जो पानी में बहते हुए नाली के अंदर चला जाता है और पाइप में फंस जाता है। यही नहीं, कई बार बालों को धोते वक्त बाल भी पानी के साथ पाइप में इकट्ठे हो जाते हैं और नाली को ब्लॉक कर देते हैं। अगर आप भी नहाते वक्त इस तरह की गलतियां करती हैं तो ऐसा करने बचें।

अगर बाथरूम का पाइप जाम हो जाए तो लोग तरह-तरह के एसिड युक्त क्लीनर का इस्तेमाल करने लगते हैं। हालांकि ऐसा करना गलत है क्योंकि इससे पाइप फट सकता है या फिर धीरे-धीरे गलकर खराब होने लगता है। नाली को साफ करने का यह तरीका यह गलत है, इसलिए साफ-सफाई करने के लिए नेचुरल तरीके आजमाएं। वैसे अगर नाली के आसपास गंदगी इकट्ठा नहीं है तो पाइप जल्दी खराब नहीं होगा।

अगर आपके बाथरूम के किसी पाइप से हल्की-फुल्की लीकेज हो रही है तो उसे नजरअंदाज न करें। दरअसल, कई बार पाइप के लीक होने से न सिर्फ गंदगी फैलती है, बल्कि कीटाणुओं के पनपने का भी डर रहता है। इसलिए जैसे ही किसी पाइप के लीक होने की समस्या सामने आए, उसे तुरंत ठीक करवाएं। इसके अलावा कोशिश करें कि पुराने पाइप को निकालकर नया पाइप लगवाएं। ऐसा करने से परेशानी को बढ़ने से रोका जा सकता है।

बाथरूम से बदबू आना या फिर पानी का जमाव होना, ऐसी कई छोटी-छोटी परेशानियों को अनदेखा करने की गलती न करें। दरअसल, जब पाइप पुराना हो जाता हैं तो यह ढंग से काम करना बंद कर देता है और इस वजह से पानी का जमाव होने या देर से पास होने और बदबू आने जैसी समस्याएं शुरू हो जाती हैं। ऐसी स्थिति में आपको पाइप साफ करना चाहिए य इसे बदलना चहिए।

बर्तन के रैक पर जंग लग गया है? हटाने के लिए अपनाएं ये आसान तरीके

बर्तन के रैक की मदद से बर्तनों को व्यवस्थित करके रखना काफी आसान हो जाता है, लेकिन इसकी ढंग से सफाई न करने की वजह से इस पर जंग लगने की संभावना बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त, धोएं बर्तनों से निकलने वाले पानी की वजह से भी बर्तनों वाले रैक में जंग लग सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिनकी मदद से आप बर्तनों वाले रैक से जंग को आसानी से साफ कर सकते हैं।

अगर आपके बर्तन वाले रैक पर जंग लग गया है तो इसे साफ करने के लिए आप सैंडपेपर का इस्तेमाल कर सकते हैं। सैंडपेपर को जंग वाली जगह पर 5-1० मिनट के लिए अच्छे से रगड़ें। इसे रगड़ने से रैक पर मौजूद भूरे रंग की जंग वाली परत आसानी से निकल जाएगी। जंग निकालने के बाद बर्तन वाले रैक को पेंट कर दें। इससे वह नया लग और दोबारा जल्दी जंग लगने का खतरा भी नहीं रहेगा।

बर्तन वाले रैक पर लगे जंग को साफ करने के लिए नमक और नींबू का भी इस्तेमाल किया जा सकता है। इसके लिए एक कटोरी में एक चौथाई कप नींबू का रस और आधा कप नमक अच्छे से मिलाएं, फिर इस मिश्रण को एक मग सिरके में मिलाकर जंग वाली जगह पर डालें। कुछ देर इस जगह को ब्रश से रगड़कर अच्छे से साफ कर लें। यकीनन इससे जंग आसानी से साफ हो जाएगा।

आमतौर पर खाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाला बेकिंग सोडा की मदद से बर्तन वाले रैक पर लगे जंग को साफ किया जा सकता है। इसके लिए एक कप गुनगुने पानी में दो चम्मच बेकिंग सोडा पाउडर मिलाएं, फिर इसे एक स्प्रे बोतल में भरकर रैक पर छिड़ककर कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद इसे क्लीनिंग ब्रश या किसी पुराने टूथब्रश से साफ करें। इससे जंग आसानी से हट जाएगा।

सफेद सिरके का इस्तेमाल करके भी बर्तन वाले रैक पर लगी जंग को आसानी से हटाया जा सकता है। इसके लिए एक स्प्रे बोतल में सफेद सिरका भरकर इसे जंग वाली जगह पर अच्छे से छिड़कें, फिर कुछ देर के लिए ऐसे ही छोड़ दें। लगभग 1०-15 मिनट बाद जंग से प्रभावित रैक को क्लीनिंग ब्रश से रगड़ें। ध्यान रखें कि सिरके को साफ करने के लिए पानी का इस्तेमाल नहीं करना है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

वेट लॉस और फैट लॉस में अंतर समझना बेहद जरूरी, कई लोग करते हैं ये गलती

मोटापा बढ़ने से कई तरह की बीमारियां शरीर को घेर लेती हैं। खराब लाइफस्टाइल और खानपान की वजह से लोग तेजी से मोटापे का शिकार बन रहे हैं। ऑफिस या घर में एक ही जगह घंटों-घंटों तक बैठे रहने से शरीर में चर्बी जमा होने लगती है, जिसे कम करने के लिए ज्यादातर लोग खूब पसीना बहाते हैं।

हालांकि, कई बार तरीका सही न होने की वजह से वजन कम होने की बजाय बढ़ भी सकता है। दरअसल, कई लोग वेट लॉस और फैट लॉस में अंतर नहीं समझ पाते हैं, जिसकी वजह से उन्हें कई दिक्कतें होने लगती है। ऐसे में आइए जानते हैं वेट लॉस और फैट लॉस में क्या अंतर है।

मोटापा घटाने के लिए सिर्फ वेट लॉस करना ही सही नहीं होता है। इस प्रक्रिया में शरीर के वजन से मसल्स, पानी, ग्लाइकोजन और फैट कम होता है। फैट लॉस में शरीर में पहले से ही स्टोर बॉडी फैट कम करते हैं, इसलिए यह ज्यादा अच्छा माना जाता है। यही कारण है कि फिट रहने के लिए वेट लॉस नहीं बल्कि फैट लॉस करने पर फोकस करना चाहिए।

शरीर के लिए प्रोटीन बेहद जरूरी तत्व है। यह मांसपेशियों को मेंटेन रखने का काम करता है और नई मांसपेशियों का विकास करता है, जो वेट लॉस के दौरान मददगार होती हैं। रोजाना एक्सरसाइज कर मांसपेशियों को लूज करने से बचा सकते हैं। यह फैट लूज करने का सबसे अच्छा तरीका माना जाता है। कई स्टडी में भी साबित हो चुका है कि मोटापे के शिकार लोग हफ्ते में अगर तीन बार कार्डियो और वेट ट्रेनिंग करते हैं तो उनमें मसल्स मेंटेन और वेट लॉस एक्सरसाइज न करने वालों की तुलना में ज्यादा बेहतर तरीके से होता है।

वजन या मोटापा घटाने के लिए कम कैलोरी वाले फूड्स खाने चाहिए। कम कैलोरी और एक्सरसाइज से वजन कम रखा जा सकता है। अपनी डाइट में फल, सब्जियां, साबुत अनाज, लीन प्रोटीन जैसी चीजों को शामिल कर सकते हैं। वहीं, डेयरी प्रोडक्ट्स, कम मीठी चीज या ड्रिंक्स से एक्स्ट्रा कैलोरी को कम किया जा सकता है।

बेर में पोषक तत्व भरपूर पाया जाता है

बेर कई गुणों का खजाना है। बेर बहुत ही उपयोगी और पोाक तत्वों से भरपूर फ्ल है। बेर को ज्यादातर लोगों ने बचपन में खाया होगा। लेकिन अब लोग इसे नहीं खाते हैं। इसका एक बड़ा कारण यह भी हैं कि लोग इसके गुणों से अनजान हैं। आज हम आपको बता रहे हैं, बेर खाने से क्या-क्या फायदे होते हैं।

बेर की पत्तियों में 61 आवश्यक प्रोटीन पाए जाने के साथ विटमिन सी, केरिटलॉइड और बी कॉम्प्लेक्स भी अधिक मात्रा में पाया जाता है। यह बालों को घना और हेल्दी बनाता है।

बेर की पत्तियों को पीसकर तेल के साथ लेप बनाकर लगाने से घाव जल्दी भर जाता है। बेर का गूदा लगाने से भी घाव ठीक हो जाता है। बेर को छाछ के साथ लेने से पेट दर्द की समस्या खत्म हो जाती है। बेर में 18 प्रकार के महत्वपूर्ण अमीनो ऐसिड मौजूद हैं, जो शरीर में प्रोटीन को संतुलित करते हैं। चीनी दवाओं में इसके बीज से और अनिद्रा (इंसोमेनिया) का इलाज होता है। मेडिकल अध्ययन के अनुसार बेर से लो-ब्लड प्रेशर, अनीमिया, लिवर की समस्याओं से राहत मिलती है। यह शरीर में ट्यूमर सेल्स पनपने नहीं देता। इसे खाने से स्किन भी ग्लो करती है।

बेर का जूस खांसी, फेफड़े की बीमारियों और बुखार के इलाज में भी सहायक है। वैज्ञानिकों ने इसमें आठ तरह के फ्लेवेनॉयड ढूंढे हैं। इसमें ऐंटी-ऑक्सिडेंट और ऐंटी-इंफ्लमेटरी गुण भी हैं, जिससे ये सूजन भी भगाता है। बेर में मैग्निशम, पोटाशियम फॉस्फोरस, कॉपर, कैल्शियम और आयरन जैसे विटमिन और खनिज भी मिलते हैं। इससे इम्यून सिस्टम मजबूत होता है, साथ ही इंफेक्शन से लडने में भी मदद मिलती है।

संतरे और नींबू में मौजूद विटमीन सी का बेहतरीन विकल्प है बेर। बेर में विटमिन सी की मात्रा खट्टे फ्लों से 2० गुना ज्यादा है। सर्दियों में संतरे और नींबू की जगह आप बेर का इस्तेमाल कर इस की कमी पूरी कर सकते हैं।

शब्द सामर्थ्य - 79

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. अभिमान, घमंड, अनुमान 4. बादल, मेघ, जलद (सं) 6. अधिकार वाला, अधिकारी 8. गति, सामंजस्य, समा जाना 10. कारावास, जेल 11. जोर, शक्ति, जान, सांस 12. राजाओं के रहने का भवन 15. मालामाल, अमीर, धनवान 18. नाव खेने का यंत्र 20. 'खन' ध्वनि उत्पन्न होना, पायल आदि का शब्द करना 21. मार डाला हुआ, घायल किया हुआ 22. हमेशा, आवाज 23. आग की लपट, ज्वाला 24. झगड़ा, तकरार 25. हीरा।

ऊपर से नीचे

1. दोषी, अपराधी 3. ताश में नौ अंक वाला पत्ता 4. झंडा, पताका 5. गहरा कीचड़, पंक 7. बूंद, अंश 9. मृत्यु के देवता 13. संसार, दुनिया, जग 14. हुजूर, जनाब, सम्मान सूचक एक शब्द (उ.) 16. सच्चा, धर्मनिष्ठ, ईमानवाला 17. अनूठा, बांका, अनुपम, छैला 18. आश्रय, शरण 19. साधुवाद, प्रशंसा 20. पटवारी की ऐसी बही जिसमें खेत संबंधी अनेक बातें लिखी जाती है, एक प्रकार का दानेदार संक्रामक रोग 23. गम, मातम, दुख।

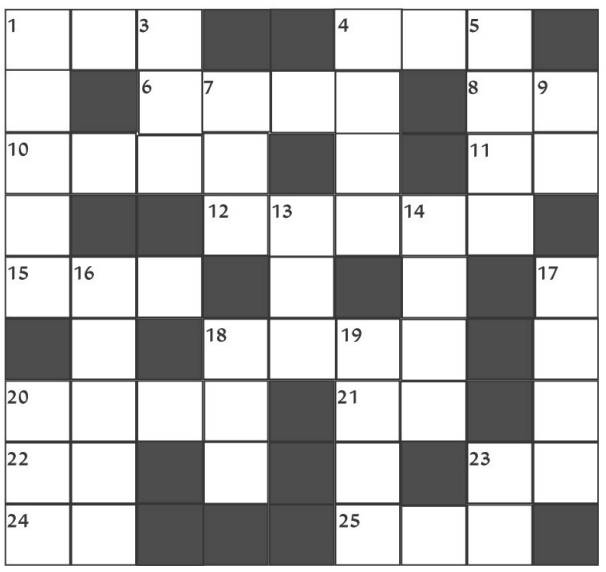

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 78 का हल

स्मृ	ति	■	पा	व	क	■	बे	ल
■	र	ज	नी	च	र	■	■	ट्टू
मु	स्का	न	■	न	म	की	न	■
सा	र	■	स	■	■	ट	ख	ना
फि	■	अ	जा	य	ब	■	रा	जा
र	च	ना	■	था	ल	■	■	य
■	■	धि	■	र्थ	■	स	मा	ज
उ	प	कृ	त	■	आ	वा	ज	■
ल्लू	■	त	■	■	ब	ल	रा	म

जूनियर एनटीआर-जाह्नवी कपूर की जबरदस्त केमिस्ट्री दिखी

एनटीआर की पैन इंडियन फिल्म देवरा- पार्ट 1 का पहला सिंगल, फियर सॉन्ग प्लेलिस्ट पर छा हुआ है। यह गाना लोगों के बीच काफी पॉपुलर हो गया है। इस गाने पर सिंगर अनिरुद्ध रविचंदर ने शानदार काम किया है। सिंगल की पॉपुलैरिटी को देखते हुए मेकर्स ने सेकेंड सिंगल का एलान किया है। इसके लिए उन्होंने सोशल मीडिया का सहारा लिया है। जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम पर देवरा- पार्ट 1 का नया पोस्टर शेयर किया है और फिल्म के सेकेंड सॉन्ग का एलान किया है। पोस्टर में जूनियर एनटीआर और जाह्नवी कपूर के बीच जबरदस्त केमिस्ट्री देखी जा सकती है। ऐसा लग रहा है कि यह गाना एक हरे-भरे जंगल में शूट किया गया है। इस पोस्टर से यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि आने वाला सेकेंड सॉन्ग रोमांटिक होगा। फिल्म का नया पोस्टर साझा करते हुए जाह्नवी कपूर ने कैप्शन में गाने की रिलीज डेट के बारे में खुलासा किया है। उन्होंने समुद्र की लहर और लाल दिल वाले इमोजी के साथ कैप्शन में लिखा है, मोस्ट अवेटेड देवरा सेकेंड सिंगल 5 अगस्त को आ रहा है। देवरा- पार्ट 1 जाह्नवी कपूर की टॉलीवुड डेब्यू फिल्म है। फिल्म को डायरेक्ट कोराताला शिवा ने किया है। इस फिल्म में जूनियर एनटीआर डबल रोल में नजर आएंगे। उन्होंने फिल्म में पिता और पुत्र दोनों की भूमिका निभाई है। वहीं, बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान विलेन के किरदार में नजर आएंगे। देवरा- पार्ट 1 27 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

राम पोथिनेनिन की फिल्म डबल आईस्मार्ट का दूसरा सिंगल मार मुंथा छोड़ चिंता रिलीज़

उस्ताद राम पोथिनेनिन और डैशिंग डायरेक्टर पुरी जगन्नाथ की सनसनीखेज हिट आईस्मार्ट शंकर अपनी थिएटर रिलीज़ से पहले ही म्यूजिक़ल हिट बन गई थी। इसी तरह, इस घातक संयोजन में दूसरी फिल्म का एल्बम भी फिल्म की रिलीज़ से बहुत पहले ही चार्टबस्टर बन गया है। फिल्म डबल आईस्मार्ट जो आईस्मार्ट शंकर की अगली कड़ी है, उसका संगीत मणि शर्मा ने दिया है, जिन्होंने एक और बड़े पैमाने पर अपील करने वाला फुटटैपिंग एल्बम बनाया है।

पहले सिंगल स्टेप्पा मार को सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। फिल्म का दूसरा सिंगल मार मुंथा छोड़ चिंता रिलीज़ किया गया। कसारला श्याम द्वारा लिखे गए गीत अनोखे हैं और एक विशिष्ट हैदराबादी स्लैंग का अनुसरण करते हैं। मणि शर्मा की रचना बहुत ही देशी लोक स्वाद की है जिसमें बहुत ऊँची बीट्स हैं। राहुल सिप्लीगुंज, धनुंजन सीपना और कीर्तना शर्मा की तिकड़ी ने गाने के लिए स्वर दिए हैं, और उनकी आवाज़ें गाने की ऊर्जा के साथ तालमेल बिठाती हैं।

राम की ऊर्जा संक्रामक है और उनके नृत्य देखने लायक हैं। खास तौर पर हुक स्टेप, कुछ ही समय में लोकप्रिय हो जाएगा। राम के साथ थिरकने वाली काव्या थापर ने इस गाने में ग्लैमर का तडक़ा लगाया, जिसे जीवंत सेटों में जीवंत रूप से फिल्माया गया। पुरी कनेक्ट्स बैनर में पुरी जगन्नाथ और चार्मी कौर द्वारा निर्मित, इस फिल्म में संजय दत्त एक शक्तिशाली भूमिका में हैं और काव्या थापर राम के साथ मुख्य भूमिका में हैं। सैम के नायडू और गियानी गियानेली ने फिल्म की सिनेमैटोग्राफी संभाली है, जो 15 अगस्त को पूरे भारत में रिलीज होने के लिए तैयार है।

ब्लैक साड़ी में बला की खूबसूरत दिखीं मौनी रॉय

एक्ट्रेस मौनी रॉय हमेशा अपने बोल्ड और स्टनिंग लुक्स के कारण सोशल मीडिया पर सुर्खियां बटौरती रहती हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो फैंस उनके हर एक लुक की तारीफ करते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से एक बार फिर फैंस के बीच कहर बरपा दिया है। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर फैंस अपने होश खो बैठे हैं।

टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली अभिनेत्री मौनी रॉय आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी अदाकारी से लोगों को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं।

अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट फोटोज इंस्टाग्राम पर साझा की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अवतार देखकर फैंस एक बार फिर से अपने होश खो बैठे हैं।

मौनी रॉय ने अपने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लैक कलर की साड़ी पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही स्टनिंग और हॉट नजर आ रही हैं। उनका कातिलाना अंदाज इंटरनेट पर तबाही मचा रहा है।

बता दें एक्ट्रेस जब भी अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो उनका लुक चंद ही मिनटों में वायरल होने लगता है। फैंस भी उनके हर एक लुक को काफी ज्यादा पसंद करते हैं।

इन तस्वीरों में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस मौनी रॉय इंडोर फोटोशूट करवाया है। एक्ट्रेस कैमरे के सामने एक से बढक़र एक पोज देते हुए फोटोज क्लिक करवा रही हैं।

खुले बाल, माथे पर बिंदी और मिनिमल मेकअप कर के एक्ट्रेस मौनी रॉय ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया है। उनके इस लुक को देखकर फैंस दिलखोलकर लाइक्स और कॉमेंट्स कर रहे हैं।

एक्ट्रेस सोशल मीडिया लवर हैं और इंस्टाग्राम पर काफी एक्टिव भी रहती हैं। साथ ही अपने फैंस के साथ फोटोज और वीडियोज शेयर करती रहती हैं। फैंस भी अक्सर उनके स्टाइल को फॉलो करते हैं।

खाने की शौकीन हैं एक्ट्रेस वैशाली अरोड़ा

टीवी एक्ट्रेस वैशाली अरोड़ा इन दिनों शो उडऩे की आशा को लेकर सुर्खियों में हैं। इसमें वह रिया का किरदार निभा रही हैं, जिसे दर्शक काफी पसंद कर रहे हैं। एक्ट्रेस फूडी हैं और वह सेट पर कुछ न कुछ खाते रहना पसंद करती हैं।

वैशाली ने कहा, मैं एक मजेदार बात शेयर करना चाहती हूं जो कई बार हुआ है। मेरा किरदार रिया खाने की बड़ी शौकीन है। आकाश खाना बनाकर उसे भेजता है और वह उसे खाती है। जब भी मैं शूटिंग कर रही होती हूं, प्रोडक्शन टीम पूछती है कि मैं क्या खाना चाहती हूं और उसे तैयार करके रखती है। मैं अपने किरदार को रियल में जीने लगती हूं, क्योंकि मैं खुद भी फूडी हूं, यहां तक कि रिहर्सल के दौरान भी मैं कुछ न कुछ खाती रहती हूं।

उन्होंने कहा, जब तक हम फाइनल टेक लेते हैं, तब तक खाना लगभग खत्म हो चुका होता है और मेरे पेट में खाने के लिए जगह नहीं बचती। उदाहरण के लिए... आकाश ने रिया के लिए रेड वेलवेट केक बनाया। मैंने रिहर्सल के दौरान खाना शुरू किया और फाइनल टेक तक आधा खा लिया था। इसी तरह, डोसा मैंने रिहर्सल के दौरान इतना खाया कि मैं बाद में लंच नहीं कर सकी।

मानसून में वैशाली को मैगी और चाय बेहद पसंद है। उन्होंने कहा, मुझे मानसून का मौसम ज्यादा पसंद नहीं है, लेकिन इस मौसम में मेरी पसंदीदा चीज घर पर बैठकर चाय और मैगी है। इस दौरान कुछ मजेदार देखना और अपने सोफे पर आराम करना है। काम करते समय, मैं एक्टिव रहने के लिए कॉफी पीती रहती हूं और बारिश बंद होने पर ताजी हवा लेने के लिए बाहर टहलती हूं। मानसून रोमांटिक सीन्स के बारे में वैशाली ने कहा, हां, मानसून रोमांस का सीजन है। कुछ ऐसी चीज है जिसका आने वाले एपिसोड में दर्शकों को इंतजार करना चाहिए। आकाश और रिया के बीच की केमिस्ट्री वाकई बहुत रोमांटिक तरीके से सामने आएगी। उन्होंने कहा, बारिश रिया को दिल की बात कहने के लिए मजबूर करेगी, और आकाश का रिएक्शन देखने लायक होगा। मैं चाहती हूं कि मेरे फैंस आकाश और रिया के इन खास पलों को देखें। मैं इसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूंइस शो को राहुल कुमार तिवारी ने प्रोड्यूस किया है। उडऩे की आशा स्टार प्लस पर प्रसारित होता है।

आरक्षण भारतीय राजनीति की धुरी

डॉ. आशुतोष कुमार

बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने जब भारतीय संविधान में आरक्षण के प्रावधान को शामिल किया था, तब उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि आरक्षण एक समय भारतीय राजनीति की धुरी बनकर राजनेताओं के लिए एक ऐसा अमोघ मंत्र बन जाएगा, जिसका इस्तेमाल किसी के कल्याण के लिए कम और किसी को परास्त करने के लिए ज्यादा किया जाएगा।

आज आरक्षण के पीछे किसी पिछड़े या वंचित समाज के कल्याण की भावना कम और राजनीतिक स्वार्थ अधिक दिखती है। सही मायने में आज आरक्षण राजनीति का झुनझुना बन गया है, जिसे चुनाव जैसे विशेष मौकों पर जनता को रिझाने के लिए बजाया जाता है।

बहरहाल, आरक्षण एक बार फिर चर्चा में है। आरक्षण को लेकर चर्चा के केंद्र बिंदु में है कर्नाटक। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने निजी क्षेत्र की नौकरियों में कन्नड़ लोगों के लिए 100 प्रतिशत आरक्षण को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पहले एक पोस्ट की थी, जिसे बाद में उन्होंने हटा लिया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक पोस्ट किया था, जिसमें कहा गया है कि कैबिनेट ने कर्नाटक में निजी उद्योगों और अन्य संगठनों में प्रशासनिक पदों के लिए 50 प्रतिशत और गैर-प्रशासनिक पदों के लिए 75 प्रतिशत आरक्षण तय करने वाले विधेयक को मंजूरी दी।

सिद्धारमैया ने पोस्ट में कहा था, 'हमारी सरकार की इच्छा है कि कन्नड़ लोगों को अपनी जमीन पर आरामदायक जीवन जीने का अवसर दिया जाए हम कन्नड़ समर्थक सरकार हैं। हमारी प्राथमिकता कन्नड़ लोगों के कल्याण का ध्यान रखना है। उन्हें कन्नड़ भूमि में नौकरियों से वंचित होने से बचाया जाए। हम कन्नड़ समर्थक सरकार हैं। हमारी प्राथमिकता कन्नडिगास के कल्याण की देखभाल करना है। जब उनके इस पोस्ट पर इस पर हर तरफ छीछालेदर होने लगा। विरोध में प्रतिक्रियाएं आने लगीं, तो दो दिन बाद उन्होंने सोशल मीडिया 'एक्स' प्लेटफॉर्म पर से पिछली पोस्ट हो हटाकर उसमें बदलाव कर दिया। कर्नाटक सरकार ने फिलहाल इस पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही कहा जा रहा है कि कर्नाटक सरकार इस बिल पर पुनर्विचार करेगी, लेकिन यहां मौजू सवाल यह है कि आखिर इसकी जरूरत ही क्यों पड़ी। इसके पीछे सरकार की मंशा क्या है?

कहीं आरक्षण की आड़ में देश के संघीय ढांचे को ध्वस्त करने की कोशिश तो नहीं की जा रही? अगर नहीं, तो अपनी स्वार्थ सिद्धि के लिए देश की एकजुटता और अखंडता पर प्रहार क्यों किया जा रहा है। आमतौर पर इस तरह की कोशिश क्षेत्रीय दल की सरकार में की जाती है, क्योंकि क्षेत्रीय दल अपने को उस राज्य के प्रति ज्यादा उत्तरदायी समझते हैं, जहां उनकी सरकार होती है। हालांकि इस तरह की सोच भी देश के संघीय ढांचे के लिए खतरनाक है। फिलवक्त कर्नाटक में तो कांग्रेस की सरकार है, फिर सिद्धारमैया सरकार ने ऐसी संकीर्ण मानसिकता क्यों दिखाई। जाहिर तौर पर इससे राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस को नुकसान उठाना पड़ेगा, लेकिन यहां चिंता का विषय कांग्रेस का नुकसान नहीं, अपितु राष्ट्र का और देश के संघीय ढांचे के नुकसान को लेकर है।

अगर सभी राज्य सरकारें अपनी मर्जी की मालिक हो जाएंगी, तब तो देश का स्वरूप ही बिखर जाएगा। देश है, देश का एक स्वरूप है, उसकी अस्मिता है, तभी आरक्षण है। यह कहना ग़लत न होगा कि भारत में आरक्षण की व्यवस्था सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े लोगों को समृद्ध बनाने के लिए हुई थी, मगर समय के साथ आरक्षण वोट बैंक की राजनीति का शिकार बनती चली गई और अब तो स्थिति इतनी बिगड़ गई है कि आरक्षण की आंच देश की संघीय व्यवस्था पर भी आने लगी है। किसी राज्य में आरक्षण का दायरा बढ़ाने के लिए देश के स्वरूप और उसके संघीय ढांचे को ध्वस्त नहीं किया जा सकता। यह सहज ही समझा जा सकता है कि जब सभी राज्य सिर्फ अपने प्रदेश के लोगों को नौकरी देने लगेंगे। वहां के प्राइवेट सेक्टर में सिर्फ उसी राज्य के लोगों को रखा जाने लगेगा, तब भारत एक संघ रह जाएगा क्या? इसलिए राजनीतिक दलों और राज्य की सरकारों को यह जरूर सोचना होगा कि वे अपने प्रदेश के विकास की बात जरूर सोचें, प्रयास जरूर करें कि प्रदेश के लोगों को अपने ही राज्य में रोजी-रोजगार मिले, किंतु इसका भी ख्याल रखें कि देश की समावेशी संस्कृति को नुकसान न पहुंचे।

क्या कहता है भारतीय संविधान

भारतीय संविधान के भाग तीन में समानता के अधिकार की भावना निहित है। इसके अंतर्गत अनुच्छेद 15 में प्रावधान है कि किसी व्यक्ति के साथ जाति, प्रजाति, लिंग, धर्म या जन्म के स्थान पर भेदभाव नहीं किया जाएगा। अनुच्छेद 15(4) के मुताबिक यदि राज्य को लगता है तो वह सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े या अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के लिए विशेष प्रावधान कर सकता है। वहीं, अनुच्छेद 16 में अवसरों की समानता की बात कही गई है। अनुच्छेद 16(4) के मुताबिक यदि राज्य को लगता है कि सरकारी सेवाओं में पिछड़े वगरे को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है तो वह उनके लिए पदों को आरक्षित कर सकता है। वहीं, अनुच्छेद 16(4 ए) के अनुसार, राज्य सरकारें अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के पक्ष में पदोन्नति के मामलों में आरक्षण के लिए कोई भी प्रावधान कर सकती हैं, यदि राज्य की राय में राज्य के अधीन सेवाओं में उनका पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं है, लेकिन इन सबके पीछे संविधान ऐसा कुछ करने की इजाजत नहीं देता जिससे देश की अस्मिता, एकता और अखंडता पर खतरा उत्पन्न हो।

आरक्षण की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

सबसे पहले विलियम हंटर और ज्योतिराव फुले ने 1882 में मूलतः जाति-आधारित आरक्षण पण्राली का विचार प्रस्तुत किया था। आज जो आरक्षण पण्राली लागू है, वह सही मायने में 1933 में लागू की गई थी, जब ब्रिटिश प्रधानमंत्री रामसे मैकडोनाल्ड ने 'कम्युनल अवार्ड' प्रस्तुत किया था। इस निर्णय में मुसलमानों, सिखों, भारतीय ईसाइयों, एंग्लो-इंडियन, यूरोपीय लोगों और दलितों के लिए पृथक निर्वाचिका का प्रावधान किया गया । लंबी चर्चा के बाद महात्मा गांधी और डॉ. भीमराव अंबेडकर ने 'पूना पैक्ट' पर हस्ताक्षर किए, जिसमें यह निर्णय लिया गया कि एक ही हिन्दू निर्वाचन क्षेत्र होगा, जिसमें कुछ आरक्षण होंगे।

अक्षय कुमार की फिल्म खेल खेल में का गाना हौली हौली रिलीज

सरफिरा की रिलीज के बाद बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार अपनी अगली फिल्म खेल खेल में की तैयारी कर रहे हैं। उनकी फिल्म का लेटेस्ट ट्रेक हौली हौली रिलीज हो चुका है। इस फिल्म में आपको अक्षय कुमार के साथ वाणी कपूर, एमी विर्क के साथ तापसी पन्नू और आदित्य सील के साथ प्रज्ञा जायसवाल की जोड़ी देखने को मिलेगी। देखने में ये एक पार्टी सॉन्ग लग रहा है जिसे शायद किसी फंक्शन आदि के समय फिल्माया गया है। इस बीच सभी सेलेब्स एथनिक ड्रेस में नजर आए। इस गाने में अक्षय कुमार का सॉल्ट एंड पेपर लुक साफ साफ देखा जा सकता है। इससे पहले अक्षय कुमार ने गाने के रिलीज की अनाउंसमेंट करने के लिए एक बीटीएस वीडियो शेयर किया था जिसमें वो सॉन्ग प्ले होने के बाद अचानक से बीच में नागिन डांस करने लगते हैं। अक्षय कुमार ने इस वीडियो को शेयर करते हुए लिखा, मेहनत, मुस्कुराहट...और सारी यूनिट की मोहब्बत। ये सब इकट्ठा कर के आपको सौंप रहा हूं। जल्द आ रहा हूं। ट्रेलर से पहले गाना,बजाओ। शाम 5 बजे हौली हौली का गाना आ रहा है। ये एक पंजाबी फन ट्रैक है जिसे गुरु रंधावा, यो यो हनी सिंह और नेहा कक्कड़ ने अपनी आवाज से सजाया है। बता दें कि ये एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है जिसे मुदस्सर अजीज ने डायरेक्ट किया है। वहीं भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, विपुल डी शाह, राजेश बहल, शशिकांत सिन्हा और अजय राय ने प्रोड्यूस किया है। खेल खेल में 15 अगस्त को रिलीज होगी। इस फिल्म का क्लैश बॉक्स ऑफिस पर श्रद्धा कपूर की स्त्री 2 से होगा।

सू- दोकू क्र. 79

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.78 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

बजट पर चर्चा जाति के चक्रव्यूह में फंसा

भारत की संसदीय राजनीति की यह सबसे दुखद परिघटना है कि लोक सभा में बजट पर हो रही चर्चा जाति के चक्रव्यूह में फंस गई। विपक्ष के नेतागण शायद इस तथ्य से अनजान हैं कि भारतीय समाज में जाति संघर्ष बढ़ा तो देश की क्षेत्रीय अखंडता पर इसके नकारात्मक परिणाम पड़ सकते हैं।

संविधान निर्माता और चिंतक डॉ. अंबेडकर भारतीय समाज की इस बुराई को समझ गए थे। इसीलिए उन्होंने जातिविहीन समाज के निर्माण की कल्पना की थी। आगे चलकर समाजवादी नेता राममनोहर लोहिया ने भी जाति तोड़ो को लेकर लंबा अभियान चलाया था। लेकिन विडम्बना है कि बिहार के नेताओं के बाद अब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को महाभारत में अजरुन को जिस तरह सिर्फ मछली की आंख दिखाई दे रही थी, उसी तरह जातिगत जनगणना दिखाई दे रही है।

भारतीय राजनीति और समाज का दुखद पहलू है कि आज हर जाति में वर्चस्ववादी नेता पैदा हो गए हैं। ऐसा नेता जाति स्वाभिमान हो गया है। इस तरह से कट्टर जातिवादी नेताओं का समाज और राजनीति में प्रभाव बढ़ता है तो पहले से ही जाति और धर्म में विभाजित समाज आगे चलकर और कितना विभाजित होगा, इसकी सहज कल्पना की जा सकती है। ठीक है कि जाति गणना सत्ता पाने की सीढ़ी बन सकती है लेकिन इससे सामाजिक विद्वेष बढ़ेगा और अंततः प्रशासनिक व्यवस्था चरमरा जाएगी।

डॉ. लोहिया का विास है कि 'इतिहास साक्षी है कि जिस काल में जाति के बंधन ढीले थे, उसने लगभग उसी काल में घुटने नहीं टेके।' उनका मानना है कि यह गलत धारणा है कि अंदरूनी झगड़ों और छल-कपट के कारण न तो विदेशी हमले हुए और न भारत गुलाम हुआ। इसका सबसे बड़ा और एकमात्र कारण है जाति।

1960 और 71 के दशक में डॉ. लोहिया के प्रयासों से समाज में जाति के बंधन कुछ ढीले पडने़ लगे थे। बाद में आरएसएस ने भी हिन्दू समाज की जातियों की एकता को मजबूत करने के लिए अभियान चलाया और आज भी संघ का यह प्रयास जारी है लेकिन लगता है कि जातिगत पहचान और स्वाभिमान का उभार तेजी से हो रहा है।

राहुल गांधी इस उभार को और अधिक हवा देने लगे हैं। हालांकि राहुल के जातिगत जनगणना के बयान पर भाजपा नेता के इस जवाब का समर्थन नहीं किया जा सकता जिनकी अपनी जाति का पता नहीं है, वे जातिगत जनगणना की बात कर रहे हैं। सदन हो या सडक़ जाति पूछना अमर्यादित आचरण के दायरे में ही आता है।(आरएनएस)

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल 'एक्स' पर बदली प्रोफाइल फोटो

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स की प्रोफाइल तस्वीर बदल दी है। अब उस पर भारत का तिरंगा लहरा रहा है। पोस्ट में पीएम ने देशवासियों से हर घर तिरंगा अभियान से जुड़ने की अपील की है। उन्होंने अपनी प्रोफाइल फोटो बदलने के साथ ही लिखा, इस साल स्वतंत्रता दिवस के करीब आते ही आइए हम सब मिलकर हर घर तिरंगा अभियान को एक यादगार जन आंदोलन बनाएं। मैं अपनी प्रोफ्राइल तस्वीर बदल रहा हूं और मैं आप सभी से भी यही आग्रह करता हूं कि आप भी मेरे साथ मिलकर हमारे तिरंगे का जश्न मनाएं। और हां, अपनी सेल्फी harghartiranga.com पर जरूर शेयर करें।

इससे पहले उन्होंने भारत छोड़ों आंदोलन को लेकर भी ट्वीट किया। एक वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा– बापू के नेतृत्व में भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लेने वाले सभी लोगों को श्रद्धांजलि। यह वास्तव में हमारे स्वतंत्रता संग्राम में एक महत्वपूर्ण क्षण था। बता दें, 9 अगस्त से एक दिन पहले 8 अगस्त 1942 को महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन का शंखनाद किया था। अगले दिन से ही आजादी की इस लड़ाई में जनता शामिल हो गई और अंग्रेजों से डटकर मुकाबला करती रही। 9 अगस्त को शुरू हुआ भारत छोड़ो आंदोलन 1947 में मिली आजादी का एक अहम मील का पत्थर साबित हुआ था। हर घर तिरंगा अभियान 2022 में शुरू किया गया था। देश की आजादी के 75 साल पूरे होने पर पीएम मोदी ने देशवासियों से अपने घरों की छतों पर देश का झंडा लहराने की अपील की थी। इस अभियान से पहले झंडा फहराने के नियमों में भी बदलाव किया गया था और रात में फहराने की इजाजत दे दी गई थी।

समिति ने अगस्त क्रांति की याद कर शहीदों को नमन किया

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने अग्रस्त क्रांति की याद ताजा करते हुए शहीदों को नमन किया। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यालय कांवली रोड पर अगस्त क्रांति की याद ताजा की गई। स्मरण रहे कि 9 अगस्त 1942 को राष्ट्र पिता महात्मा गांधी ने नारा दिया था अंग्रेजों भारत छोड़ो उस दिन से ही अंग्रेजों पर विजय पाने के लिएं भारतीय जनता और जवान तत्पर रहे और आगे हमे आजादी मिली और अंग्रेजों ने भारतीयों के आगे घुटने टेक दिए थे। समिति के प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने कहा कि हमें उन देश भक्तों के बलिदान से प्रेरणा लेनी चाहिए कि उनमें देश भक्ति कूट कूट कर भरी थी। अगस्त क्रांति के उन जवानों को याद करने वालों में उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल, प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी, प्रदीप कुकरेती, पारस यादव, दानिश नूर, अनूप सिंह बिष्ट, अतुल शर्मा, जय बिष्ट, विपुल नौटियाल, चिंतन सकलानी, राम सिंह कश्यप आदि शामिल रहे।

अन्तर्राज्यीय चोर गिरोह के चार सदस्य... ◀◀ पृष्ठ 1 का शेष

शामिल 4 बदमाशों मेवालाल मोहिते पुत्र घिसीलाल, सुनील मोहिते पुत्र तुलशीराम मोहिते, देव सिंह सोलंकी पुत्र अनार सिंह सोलंकी व सुरेश उर्फ सूरज महत्व पुत्र होसी मोहिते को गिरफ्तार किया गया, जिनके कब्जे से थाना नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में नैक्सा शोरूम व डीपीएम हुंडई शोरूम में हुयी चोरियों से सम्बन्धित सामान तथा चोरी में प्रयुक्त इलैक्ट्रिक कटर व अन्य सामान बरामद किया गया है। पूछताछ में आरोपी मेवालाल द्वारा बताया गया कि उसके द्वारा मार्च 2024 में पटेलनगर क्षेत्र में ओबरॉय मोटर्स तथा तान्या ऑटोमोबाइल प्रा.लि. में अपने साथियों के साथ मिलकर चोरी की घटनाओ को अजांम दिया गया था, जिसमें पूर्व में पटेलनगर पुलिस द्वारा उसे गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। बताया कि वह 25 जुलाई को उन मामलों में एसीजेएम फर्स्ट कोर्ट देहरादून में पेशी पर आया था। पेशी के पश्चात वह 26 जुलाई को शिमला घूमने के लिए चला गया। शिमला में रहने के दोरान उसके द्वारा गूगल के माध्यम से देहरादून के विभिन्न कार शोरूम की जानकारी जुटायी गयी तथा 2 अगस्त को वापस आकर देहरादून में विभिन्न शोरूमों की रैकी की गई। रैकी के पश्चात उसके द्वारा नेक्सा मारुति शोरूम हरिद्वार बायपास रोड,डीपीएम हुंडई शोरूम हरिद्वार बायपास, रोहन मोटर्स, जीएमएस रोड तथा यामाहा शोरूम जोगीवाला को चोरी की घटना के लिये चिन्हित किया गया तथा घटना को अजांम देने के लिये मध्य प्रदेश तथा गुजरात से अपने 3 अन्य साथियों को देहरादून बुलाया। उसके पश्चात चारो ने मौका देखकर दिनांक 4–5 अगस्त की रात पहले डीपीएम हुंडई शोरूम तथा उसके पश्चात मारुति नेक्सा शोरूम में चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था। जिसके बाद वह हरिद्वार चले गये जहां एक दो दिन रूकने के दौरान उन्होने वहां कुछ कार शोरूम की रैकी की गई तथा कलियर मोड़ रूड़की रोड स्थित महिंद्रा शोरूम को घटना के लिये चिन्हित किया गया। इसके पश्चात उन्होने पहले देहरादून में चिहिन्त किये गये 2 अन्य शोरूमों यामाहा शोरूम तथा रोहन मोटर्स तथा उसके बाद हरिद्वार में चिन्हित महिंद्रा शोरूम में घटना कर वापस मध्य प्रदेश जाने की योजना बनाई तथा योजना के मुताबिक वह 8 अगस्त को पुनः घटना करने देहरादून वापस आये, पर घटना को अजांम देने से पूर्व ही पुलिस द्वारा उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में आरोपियों द्वारा अन्य प्रांतो में भी घटनाये किया जाना प्रकाश में आया है, जिसके सम्बंध में जानकारी की जा रही है।

अगस्त क्रांति का जिक्र इतिहास में स्वर्णिम अक्षरों में है अंकितः माहरा

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने कहा की भारत की आजादी के इतिहास में अगस्त क्रांति दिवस का जिक्र स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है ।

आज यहां भारत छोड़ो आंदोलन की 82 वीं जयंती पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं नें प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष करण माहरा, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना और महानगर अध्यक्ष डॉ जसविन्दर सिंह गोगी के नेतृत्व में गांधी पार्क स्थित गांधीजी की मूर्ति पर माल्यार्पण किया तथा गांधीजी सहित अन्य आंदोलनकारियों को याद करते हुए भारत छोड़ो आन्दोलन में शहीद हुए आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की व श्रीमति सरोजनी नायडू, डाक्टर राजेंद्र प्रसाद, लाल बहादुर शास्त्री समेत तमाम आंदोलनकारी स्वतंत्रा संग्राम सेनानियों के योगदान को याद किया।

इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा ने कहा की भारत की आजादी के इतिहास में अगस्त क्रांति दिवस का जिक्र स्वर्णिम अक्षरों में अंकित है । उन्होंने कहा कि आज हमको इस बात पर गर्व है कि हम इस कांग्रेस के सिपाही हैं जिसने इस देश की आजादी के लिए बलिदान दिए और देश की आजादी के बाद इस देश की एकता और अनेकता को अक्षणु रखने की लिए भी बलिदान और कुर्बानियां दीं।

इस अवसर पर कार्यक्रम संयोजक उत्तराखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सूर्यकांत धस्माना ने कहा कि 08 अगस्त को मुम्बई में तत्कालीनन कांग्रेस कार्यसमिति द्वारा गाँधी जी के नेतृत्व में आजादी के संघर्ष का सबसे व्यापक और निर्णायक आंदोलन छेड़ने का आह्वान किया गया। इसके बाद 09 अगस्त को और उसके बाद पूरे देश में अंग्रेजों भारत छोड़ो के स्वर गूंजने लगे। अगस्त क्रांति आंदोलन का आह्वान चार स्वतंत्रता सेनानियों मौलाना आजाद, पंडित नेहरू, सरदार पटेल और आखिर में महात्मा गांधी ने जनसभा को संबोधित करते हुए किया। गांधीजी ने इस आन्दोलन के लिए ही लोगों को करो या मरो का नारा दिया। इसके बाद पूरे देश मे आंदोलन की अभूतपूर्व लहर दौड़ गई थी। ध स्माना ने कहा कि भारत छोड़ो आन्दोलन में हजारों आंदोलनकारियों का बलिदान हुआ और लाखों लोग देश भर में गिरफ्तार हुए।

उन्होंने कहा की अंग्रेजी हुकूमत के तख्त पर यह आखिरी कील साबित हुआ और अंतोगत्वा पंद्रह अगस्त 1947 को अंग्रेजों को भारत को आजादी देनी पड़ी। इस अवसर पर पूर्ण सिंह रावत, नवीन जोशी, याकूब सिद्दीकी,श्रीमति हेमा पुरोहित, मन मोहन शर्मा, मुकीम अहमद, अर्जुन सोनकर, श्रीमति संगीता गुप्ता आदि लोग शामिल रहे।

में एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। चरस तस्करी मामले में एसओजी व पुलिस की संयुक्त टीम ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से दो किलो 650 ग्राम चरस बरामद की गयी है।

जानकारी के अनुसार बीते रोज एसओजी व कोतवाली धारचुला पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में एक नशा तस्कर नशीले पदार्थो की बड़ी खेप सहित आने वाला है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए एसओजी व पुलिस की टीमों ने क्षेत्र में संयुक्त चैकिंग अभियान चला दिया गया। इस दौरान संयुक्त टीम को घटखोला पुल, धारचूला के पास एक संदिग्ध व्यक्ति आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा कया तो वह सकपका कर भागने लगा। इस पर उसे घेर कर रोका गया। तलाशी के दौरान उसके पास से 2 किलो 630 ग्राम चरस बरामद हुई। पूछताछ में उसने

विधानसभा अध्यक्ष ने लिया विकास कार्यो का जायजा

संवाददाता

कोटद्वार। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूडी भूषण ने विकास कार्यो का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये।

आज यहां विधानसभा अध्यक्ष व कोटद्वार विधायक ऋतु खण्डूडी भूषण ने कोटद्वार के नींबूचौड़ स्थित अपने आवास पर शहरी विकास व कोटद्वार नगर निगम के अधिकारियों के साथ कोटद्वार के समस्याओं के त्वरित समाधान पर जरूरी आदेश दिये। ऋतु खण्डूडी भूषण ने कोटद्वार विधानसभा में हो रहे सभी विकास कार्यों का एक–एक कर जायजा लिया। इस बैठक के लिए विधानसभा अध्यक्ष ने शहरी विकास विभाग के अधिकारियों को देहरादून से तालब किया। साथ ही कोटद्वार नगर निगम और शहरी विकास के अधिकारियों को पंचायत भवन को अविलंब ठीक करने के आदेश दिये। ऋतु खण्डूडी भूषण ने निगम को अधिक कूड़ा उठाने और गाड़ियों की मॉनिटरिंग करने पर भी निर्देश दिया और नगर में आवारा पशुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए नई गौशाला एवं मोटर नगर के बस अड्डे पर भी चर्चा करी। इसके अतिरिक्त ऋतु खण्डूडी भूषण ने अधिकारियों को कोटद्वार निगम क्षेत्र में स्ट्रीट लाइट की उचित व्यवस्था बनने के लिए कहा। स्थानीय जनता, बच्चे एवं बुजुर्गों के लिए कोटद्वार में इको पार्क बनवाने के लिए भी निर्देशित किया। इसके अलावा मुक्ति धाम और कोटद्वार स्टेडियम की दीवार को ऊंची कर इलाके में स्वच्छता बनाने को कहा। इस अवसर पर कोटद्वार नगर आयुक्त वैभव गुप्ता, सह नगर आयुक्त चंद्र शेखर शर्मा, शहरी विकास अधिक्षण अभियंता रवि पाण्डेय, डिप्टी कलेक्टर नीलू चावला आदि लोग उपस्थित रहे।

एक नजर

अब बिहार में होगा मंदिरों, मठों और ट्रस्टों का रजिस्ट्रेशन

नई दिल्ली। बिहार सरकार ने सभी जिलों के जिलाधिकारियों को फरमान जारी कर कहा है कि उनके जिलों में बिना रजिस्ट्रेशन के चल रहे मंदिरों और मठों का रजिस्ट्रेशन अनिवार्य तौर पर किया जाए। इसके अतिरिक्त, इन धार्मिक संस्थाओं को अपनी अचल संपत्तियों का विस्तृत रिकॉर्ड राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड को प्रस्तुत करना होगा। बिहार के कानून मंत्री नितिन नवीन ने कहा कि सभी जिलों के डीएम को पत्र भेजकर उन्हें इस पंजीकरण को लागू करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मंदिरों, मठों और ट्रस्टों के लिए बिहार राज्य धार्मिक न्यास बोर्ड के तहत पंजीकृत होना महत्वपूर्ण है, जो राज्य के कानून विभाग के तहत काम करता है। मंत्री ने कहा,

ष्मैंने इस संबंध में सभी जिलाधिकारियों को एक पत्र भेजा है। हालांकि, उन्होंने यह भी बताया कि अभी तक केवल 18 जिलों ने ही बीएसबीआरटी को डेटा सौंपा है। खबर के मुताबिक, बिहार हिंदू धार्मिक ट्रस्ट अधिनियम 1950 के अनुसार सभी मंदिरों, मठों, ट्रस्टों और धर्मशालाओं को बीएसबीआरटी के साथ पंजीकृत होना चाहिए। इस कानून का उद्देश्य अवैध लेनदेन को रोकने के लिए इन संस्थाओं की संपत्ति का विवरण सार्वजनिक करना है। बीएसबीआरटी के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, बिहार में वर्तमान में 2499 पंजीकृत मंदिरों और मठों की तुलना में लगभग 2512 अपंजीकृत मंदिर और मठ हैं।

सिक्किम में आज सुबह महसूस किए गए भूकंप के झटके

नई दिल्ली। सिक्किम के सोरेंग में आज सुबह-सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 4.4 मापी गई है। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के मुताबिक सोरेंग में भूकंप के झटके सुबह 6.57 बजे महसूस किए गए। बता दें कि धरती के अंदर सात टेक्टोनिक प्लेट्स हैं। ये प्लेट्स लगातार घूमती रहती हैं। जब ये प्लेट आपस में टकराती हैं। रगड़ती हैं। एकदूसरे के ऊपर चढ़ती या उनसे दूर जाती हैं, तब जमीन हिलने लगती है। इसे ही भूकंप कहते हैं। भूकंप को नापने के लिए रिक्टर पैमाने का इस्तेमाल करते हैं। जिसे रिक्टर मैग्नीट्यूड स्केल कहते हैं। रिक्टर मैग्नीट्यूड स्केल 1 से 9 तक होती है। भूकंप की तीव्रता को उसके केंद्र यानी एपीसेंटर से नापा जाता है। यानी उस केंद्र से निकलने वाली ऊर्जा को इसी स्केल पर मापा जाता है। 1 यानी कम तीव्रता की ऊर्जा निकल रही है। 9 यानी सबसे ज्यादा। रिकॉर्ड किए गए इतिहास में सबसे विनाशकारी भूकंपों में से एक 1556 का था जो 23 जनवरी 1556 को शानक्सी, चीन में हुआ था। इस घटना में 830,000 से अधिक लोग मारे गए थे। दूसरा, 1976 का तांगशान भूकंप, जिसमें 240,000 से 655,000 लोग मारे गए थे। वह 20वीं सदी का सबसे घातक भूकंप था। 22 मई 1960 को चिली में आया भूकंप सबसे बड़ा भूकंप है। सिस्मोग्राफ पर इसकी सीव्रता 9.5 मापी गई थी।

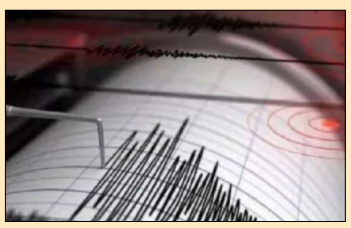

संजय दत्त ने वीजा खारिज होने पर यूके सरकार पर जताई नाराजगी

मुंबई। बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त ने हाल ही में अपने यूके वीजा आवेदन के अस्वीकृति पर कड़ा रुख अपनाया है। रिपोर्ट के मुताबिक संजय दत्त का वीजा उनके पुराने आपराधिक रिकॉर्ड के कारण रद्द कर दिया गया था, जिसकी वजह से वह सन ऑफ सरदार 2 की शूटिंग के लिए स्कॉटलैंड नहीं जा सके। संजय दत्त ने इस फैसले पर अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए संजय दत्त ने कहा, यूके सरकार ने सही नहीं किया। उन्होंने मुझे वीजा दिया था। वहां (यूके में) सारे भुगतान हो गए थे। सब कुछ तैयार था। फिर एक महीने बाद, आप मेरा वीजा रद्द कर रहे हैं! मैंने आपको (यूके सरकार को) सारे कागजात दिए थे और जो कुछ भी आवश्यक था, वह सबकुछ प्रस्तुत किया था। जब आपने मुझे वीजा दिया था, तो फिर एक महीने बाद इसे रद्द करने की जरूरत क्यों पड़ी? उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें इस परियोजना का हिस्सा न होने का कोई पछतावा नहीं है। संजय ने कहा, वैसे भी, कौन यूके जा रहा है? वहां इतने सारे दंगे हो रहे हैं। यहां तक कि भारतीय सरकार ने भी एक बयान जारी किया है कि यूके की यात्रा न करें। तो, मुझे कुछ भी मिस नहीं हो रहा है। लेकिन हां, उन्होंने गलत किया है। उन्हें इसे ठीक करना चाहिए। मैं कानून का पालन करने वाला नागरिक हूं। मैं कानून के अनुसार चलता हूं और हर देश के कानून का सम्मान करता हूं।

नाले में बही मैक्स, महिला की मौत छह घायल, दो लापता

हमारे संवाददाता

चम्पावत। टनकपुर-पूर्णागिरी मार्ग पर स्थित किरोड़ा नाले में आज सुबह एक भीषण हादसा हुआ है। यहां एक मैक्स जीप नाले में बह गयी जिसमें नौ लोग सवार थें। घटना की सूचना मिलने पर प्रशासन व बचाव दल मौके पर पहुंचा और बचाव व राहत कार्य शुरू किया।

जानकारी के अनुसार बचाव दल के लगातार प्रयासों के बाद सात लोगों को नाले से निकाल लिया गया। जिनमें से एक महिला की मौत हो गयी है जबकि अन्य को उप जिला चिकित्सालय टनकपुर पहुचाया गया है। जबकि दो लोग अभी भी लापता बताये जा रहे है। बताया जा रहा है कि जीप सवार सभी लोग जनपद

उधमसिंहनगर के ग्राम पकड़िया के रहने वाले है। बचाव दल अभी भी लापता लोगों की तलाश कर रहा है।

उप जिलाधिकारी आकाश जोशी ने बताया कि घटना स्थल पर बचाव व राहत कार्य जारी है। प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि मृतक महिला का नाम बलविंदर कौर है जबकि सोना कौर और मंगल सिंह लापता है। घायलों के नाम पवनदीप कौर निवासी खटीमा, अमनदीप कौर, सीमा व चालक उवेश बताये जा रहे है।

मोबाइल लूटेरा गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। मोबाइल लूटकर भाग रहे युवक को लोगों ने पकड पुलिस के हवाले किया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ब्रहमपुरी निवासी प्रगति ने पटेलनगर कोतवाली पुलिस को सूचना दी कि वह प्रीत विहार में फोन पर बात करती हुई जा रही थी तभी एक युवक वहां पर आया और उसके हाथ से फोन छीनकर भाग खडा हुआ। उसके शोर मचाने पर आसपास के लोग वहां पर पहुंचे और उन्होंने पीछा कर युवक को पकड लिया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपना नाम रजत सक्सेना पुत्र रमेश सक्सेना निवासी ब्रहमपुरी बताया। पुलिस ने उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसको न्यायालय में पेश किया जहां से उसको न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

दो दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने दो स्थानों से दो दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नत्थनपुर निवासी अखिलेश श्रीवास्तव ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से रिंग रोड पर गया था। उसने अपनी एक्टिवा रिंग रोड पर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। वहीं भण्डारी बाग निवासी अमनदीप सिंह ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी का से कचहरी आया था। उसने अपनी एक्टिवा कचहरी के बाहर पार्किंग में खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसने देखा कि उसकी एक्टिवा अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने दोनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

केंद्र विशेष आपदा राहत पैकेज दे: माहरा

विशेष संवाददाता

देहरादून। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा का कहना है कि राज्य में मानसूनी आपदा से अत्यंत ही व्यापक स्तर पर नुकसान हुआ है जिससे प्रदेश को भारी जन धन हानि हुई है उनका कहना है कि केंद्र सरकार को राज्य के लोगों की मदद के लिए विशेष आपदा राहत पैकेज देना चाहिए जिससे जनजीवन फिर से पटरी पर लौट सके।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का कहना है कि आपदा राहत के जो पुराने मानक हैं उनमें भी बदलाव की जरूरत है। उन्होंने कहा है कि आपदा प्रभावितों को जो राहत दी जाती है वह ऊंट के मुंह में जीरा ही है। आपदा से बेघर होने वाले लोगों को अपना जीवन फिर शुन्य से शुरू करना होता है और जो सरकारी मदद दी जाती है उससे वह सिर्फ जिंदा पर रह सकते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी जो इन दिनों दिल्ली दौरे पर हैं उन्हें चाहिए कि

❑आपदा राहत मानकों में भी किया जाए बदलाव, राज्य में व्यापक स्तर पर हुआ है मानसूनी आपदा से नुकसान

वह केंद्र सरकार से राज्य की मदद के लिए प्रयास करें।

उधर अभी भी राज्य में मानसूनी आपदा का कहर जारी है। राज्य में लगातार मूसलाधार बारिश का क्रम जारी है मौसम विभाग ने आज भी राज्य के 6 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इन जिलों में देहरादून, बागेश्वर, चंपावत, पिथौरागढ़ और उधम सिंह नगर सहित कई जिले शामिल हैं।

ई-रिक्शा में बैठे व्यक्ति का पर्स चोरी

संवाददाता

देहरादून। ई-रिक्शा में बैठे व्यक्ति का पर्स चोरी होने पर पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार नेशविला रोड निवासी विकास वर्मा ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता राम औतार वर्मा तहसील चौक से ई रिक्शा मे घंटाघर चाट वाली गली स्थित अपनी दुकान पर आ रहे थे तभी दो व्यक्ति ई रिक्शा मे उसके पिताजी के दोनो और बैठ गए। उक्त दोनो व्यक्ति पिता से सटकर बैठ गये तथा एक व्यक्ति ने उसके पिता को छाता हटाने को कहा तथा दूसरे व्यक्ति ने उसके पिता की पहनी पैन्ट की आगे की जेब से पर्स चोरी कर लिया और वहां से चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।